मृदा स्वास्थ्य कार्ड: कार्ड और प्रयोगशालाओं की स्थिति

कृषि / संसाधन प्रबंधन / संघवाद | समाचार संदर्भ: मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना पर लोक सभा उत्तर, 21 जुलाई 2026 | प्रकाशित: 18 अक्टूबर 2026

पृष्ठभूमि और संदर्भ

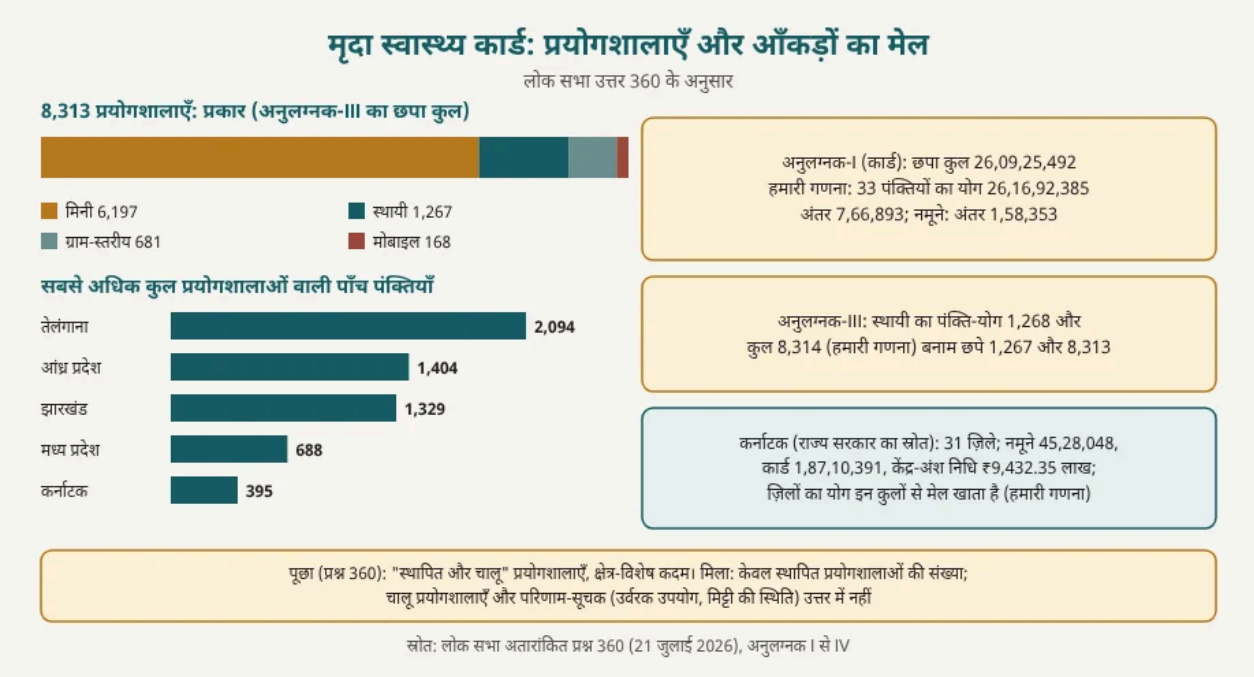
उत्तर के अनुसार सरकार “मृदा स्वास्थ्य और उर्वरता योजना” (Soil Health and Fertility Scheme) के तहत राज्यों को किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड (SHC) जारी करने में सहायता देती है। कार्ड एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (INM) को बढ़ावा देते हैं, यानी रासायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खाद और जैव-उर्वरकों का संतुलित उपयोग। उत्तर के अनुसार मृदा-नमूनों का विश्लेषण pH, विद्युत चालकता, कार्बनिक कार्बन, नाइट्रोजन, फ़ॉस्फ़ोरस, पोटैशियम, सल्फ़र और जिंक, कॉपर, आयरन, मैंगनीज़ तथा बोरॉन जैसे मानकों पर होता है, और खेतों का नैदानिक आकलन समय-समय पर इस तरह होता है कि SHC “कम से कम तीन वर्ष में एक बार” जारी हो।

खबरों में क्यों

21 जुलाई 2026 को कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री रामनाथ ठाकुर ने श्री बी. वाई. राघवेंद्र के लोक सभा अतारांकित प्रश्न 360 का उत्तर दिया। प्रश्न में योजना की उपलब्धियाँ, राज्य-वार विश्लेषित मृदा-नमूने और जारी कार्ड (कर्नाटक के ज़िला-वार ब्योरे और कर्नाटक को जारी निधि सहित), स्थापित और “चालू” प्रयोगशालाएँ, संतुलित उर्वरक उपयोग के प्रयास, और वर्षा-आधारित, पहाड़ी तथा मलनाड क्षेत्रों में परीक्षण-ढाँचा बढ़ाने के कदम पूछे गए थे। उत्तर के साथ चार अनुलग्नक हैं।

मुख्य अवधारणा: नमूने, कार्ड और प्रयोगशालाएँ तीन अलग गिनतियाँ हैं

विश्लेषित नमूनों और जारी कार्डों की संख्या अलग है, और उत्तर इसका कारण खुद देता है: 2014-15 से 2018-19 तक “ग्रिड प्रणाली” थी (सिंचित क्षेत्र में 2.5 हेक्टेयर और असिंचित में 10 हेक्टेयर का ग्रिड), जिसमें एक नमूने के आधार पर ग्रिड के सभी किसानों को कार्ड जारी होते थे; 2019-20 से यह प्रणाली हटाकर खेत-आधारित कार्ड शुरू हुए। इसलिए कार्डों की संख्या नमूनों से अधिक होना अपने आप में विसंगति नहीं है। प्रयोगशालाओं की संख्या चार प्रकारों (स्थायी, मोबाइल, मिनी, ग्राम-स्तरीय) की अलग गिनती है।



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

मुख्य तथ्य और आंकड़े

राष्ट्रीय आँकड़े (उत्तर का पाठ)	**2014-15 से 26.09 करोड़ कार्ड "generated/distributed as on date"; कुल 8,313 प्रयोगशालाएँ: 1,267 स्थायी, 168 मोबाइल, 6,197 मिनी और 681 ग्राम-स्तरीय; योजना के तहत आरंभ से अब तक ₹2,153.04 करोड़ जारी।**
प्रशिक्षण और जागरूकता (उत्तर का पाठ)	1,30,627 किसान-प्रशिक्षण, 7.17 लाख प्रदर्शन और 7,425 किसान मेले/अभियान; ATMA और कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) के माध्यम से सलाह; स्कूल मृदा स्वास्थ्य कार्यक्रम; डिजिटल SHC पोर्टल से।
अनुलग्नक-I का कुल (SHC पोर्टल का स्रोत)	विश्लेषित नमूने 8,46,05,893; जारी कार्ड 26,09,25,492 (33 राज्य/केंद्रशासित प्रदेश पंक्तियाँ)। सबसे अधिक कार्ड: उत्तर प्रदेश 4,09,61,769; महाराष्ट्र 2,83,84,256; मध्य प्रदेश 2,11,64,819; राजस्थान 2,02,72,888; कर्नाटक 1,87,10,391।
अनुलग्नक-III का कुल (प्रयोगशालाएँ)	स्थायी 1,267, मोबाइल 168, मिनी 6,197, ग्राम-स्तरीय 681, कुल 8,313। सबसे अधिक: तेलंगाना 2,094, आंध्र प्रदेश 1,404, झारखंड 1,329, मध्य प्रदेश 688, कर्नाटक 395।
कर्नाटक, अनुलग्नक-II और IV (स्रोत: राज्य सरकार)	31 ज़िलों में विश्लेषित नमूने 45,28,048, जारी कार्ड 1,87,10,391 और केंद्र-अंश की जारी निधि ₹9,432.35 लाख। प्रयोगशालाएँ 395 (291 ग्राम-स्तरीय स्थायी, 56 SAU/KVK स्थायी, 30 कृषि-विभाग की स्थायी, 7 बागवानी, 6 मिनी, 3 सहकारी स्थायी, 1 मोबाइल, 1 रेशम-पालन)।

आँकड़ों की जाँच: जो मेल खाता है और जो अनसुलझा है

जो मेल खाता है (हमारी गणना): कर्नाटक के 31 ज़िलों की पंक्तियों का योग विश्लेषित नमूनों (45,28,048), कार्डों (1,87,10,391) और निधि (₹9,432.35 लाख) के कुल से मेल खाता है, और अनुलग्नक-I में कर्नाटक की पंक्ति (45,28,048 और 1,87,10,391) अनुलग्नक-II के कुल से मिलती है। अनुलग्नक-III में हर राज्य की पंक्ति के चारों प्रकार का योग उसके "कुल" से मिलता है, और कर्नाटक के 395 अनुलग्नक-IV के 395 से मिलते हैं।

जो अनसुलझा है: अनुलग्नक-I: अनुलग्नक-I की 33 पंक्तियों का योग हमारी गणना से नमूनों में 8,47,64,246 और कार्डों में 26,16,92,385 है, जबकि छपे कुल 8,46,05,893 और 26,09,25,492 हैं: अंतर क्रमशः 1,58,353 और 7,66,893। उत्तर का पाठ भी 26.09 करोड़ कार्ड कहता है, यानी छपे कुल से मेल खाता है। कौन-सी पंक्ति या कुल सही है, उत्तर नहीं बताता।

जो अनसुलझा है: अनुलग्नक-III: अनुलग्नक-III की 33 पंक्तियों में स्थायी प्रयोगशालाओं का योग हमारी गणना से 1,268 और कुल प्रयोगशालाओं का 8,314 है, जबकि छपे कुल 1,267 और 8,313 हैं: एक का अंतर। मोबाइल (168), मिनी (6,197) और ग्राम-स्तरीय (681) के योग छपे कुल से मिलते हैं।

जो तुलनीय नहीं: कर्नाटक की ₹9,432.35 लाख (₹94.32 करोड़) निधि अनुलग्नक-II में "GOI share" है, जबकि राष्ट्रीय ₹2,153.04 करोड़ पाठ में "released so far since inception" है; हमारी गणना से कर्नाटक का हिस्सा लगभग 4.4% है, पर उत्तर दोनों को एक ही आधार का नहीं कहता। कार्ड-प्रति-नमूना (राष्ट्रीय 3.08, हमारा भाग) ग्रिड प्रणाली के कारण पुनः-परीक्षण की दर नहीं है। राज्य की निधि जारी करना और परीक्षण का परिणाम अलग हैं।

महत्व: परीक्षण-ढाँचा, कार्ड और संतुलित उर्वरक

ढाँचे का स्वरूप (हमारी गणना): 8,313 प्रयोगशालाओं में 6,197 (लगभग 74.5%) मिनी हैं और इनमें से 4,678 (लगभग 75.5%) केवल तीन पंक्तियों (तेलंगाना 2,050, आंध्र प्रदेश 1,328, झारखंड 1,300) में हैं। स्थायी प्रयोगशालाएँ कुल का लगभग 15.2% हैं। उत्तर इस असमान स्वरूप का कारण नहीं देता।

कार्ड और उनका उपयोग: उत्तर की "कम से कम तीन वर्ष में एक बार" की व्यवस्था और 2014-15 से कुल कार्डों की संख्या से यह नहीं निकाला जा सकता कि कितने किसानों को कितनी बार कार्ड मिला, कार्ड की सिफ़ारिशों पर कितने किसानों ने उर्वरक उपयोग बदला, या मिट्टी का स्वास्थ्य कैसा हुआ; उत्तर में कार्ड जारी करने के ही आँकड़े हैं।

कर्नाटक का ब्योरा: कर्नाटक में 395 में से 291 ग्राम-स्तरीय स्थायी प्रयोगशालाएँ हैं (बेलगावी में 37)। ज़िलों में कार्ड और नमूनों का अनुपात बहुत अलग है: बेलगावी में 66,841 नमूनों पर 10,35,690 कार्ड, पर बेंगलुरु शहरी में 2,95,714 नमूनों पर 1,72,246 कार्ड और ₹1,978.20 लाख की निधि। उत्तर इन अंतरों के कारण नहीं देता।

चुनौतियाँ और जो उत्तर में नहीं है

पूछा गया, पर नहीं मिला: प्रश्न (c) में स्थापित और "operationalised" (चालू) प्रयोगशालाएँ पूछी गई थीं; अनुलग्नक केवल स्थापित प्रयोगशालाओं की संख्या देते हैं, कितनी चालू हैं यह नहीं। प्रश्न (e) में वर्षा-आधारित, पहाड़ी और मलनाड क्षेत्रों के लिए विशेष कदम पूछे गए थे; उत्तर केवल कहता है कि कर्नाटक के इन क्षेत्रों समेत किसान योजना का लाभ ले सकते हैं, और क्षेत्र-विशेष कदम या मोबाइल/डिजिटल परीक्षण की संख्या कर्नाटक के लिए अलग से नहीं देता (अनुलग्नक में केवल 1 मोबाइल प्रयोगशाला है)।

अनसुलझे बिंदु: अनुलग्नक-I के कुल और पंक्ति-योग का अंतर; अनुलग्नक-III का एक का अंतर; "as on date" की तारीख़; कर्नाटक की निधि का राष्ट्रीय निधि से एक आधार होना; और परिणाम-सूचक (उर्वरक उपयोग, मिट्टी की स्थिति)।

जो हमने नहीं पढ़ा: हमने लोक सभा अतारांकित प्रश्न 360 का आधिकारिक PDF (उत्तर और चारों अनुलग्नक) पूरा पढ़ा। SHC पोर्टल, योजना के दिशा-निर्देश और किसी स्वतंत्र मूल्यांकन को नहीं पढ़ा गया।

आगे की राह

इसे 21 जुलाई 2026 के उत्तर की दिनांकित सरकारी जानकारी मानें; अनुलग्नक-I के कुल की पुष्टि, प्रयोगशालाओं की चालू स्थिति और परिणाम-सूचकों के लिए SHC पोर्टल या आगे के आधिकारिक उत्तर देखने होंगे।

अवधारणा में अंतर

चार बातें अलग रखें: (1) विश्लेषित नमूने और जारी कार्ड (ग्रिड प्रणाली के कारण अलग); (2) स्थापित और चालू प्रयोगशालाएँ; (3) कार्ड जारी करना और उर्वरक-उपयोग या मिट्टी-स्वास्थ्य का परिणाम; (4) उत्तर के आँकड़े और हमारी गणना।

मेंस दृष्टि

GS-III: कृषि, संसाधन प्रबंधन और उर्वरक; GS-II: संघवाद और सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन।

UPSC CSE Mains शैली: मौलिक अभ्यास प्रश्न

मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के कार्ड, नमूनों और प्रयोगशालाओं के आँकड़ों से योजना के क्रियान्वयन के बारे में क्या कहा जा सकता है और क्या नहीं? संतुलित उर्वरक उपयोग पर योजना के प्रभाव को आँकने के लिए किन अतिरिक्त सूचकों की ज़रूरत होगी?

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए) | 10 अंक

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: योजना, INM और कार्ड का उद्देश्य।

मुख्य भाग में: राष्ट्रीय आँकड़े (26.09 करोड़ कार्ड, 8,313 प्रयोगशालाएँ, ₹2,153.04 करोड़, उत्तर के आँकड़े); ग्रिड प्रणाली से नमूनों-कार्डों का अंतर; प्रयोगशालाओं का स्वरूप (मिनी 74.5% हमारी गणना) और कर्नाटक का उदाहरण; अनुलग्नकों के योग के अंतर; स्थापित बनाम चालू; आवश्यक सूचक (उर्वरक-उपयोग में बदलाव, मिट्टी की स्थिति, प्रयोगशालाओं की चालू स्थिति)।

निष्कर्ष में: कार्ड वितरण और प्रयोगशालाओं की स्थापना क्रियान्वयन बताते हैं, संतुलित उर्वरक उपयोग का असर नहीं; चालू प्रयोगशालाएँ, उर्वरक-उपयोग में बदलाव और मिट्टी की स्थिति के सूचकों से प्रभाव का आकलन करें।

स्रोत

- लोक सभा अतारांकित प्रश्न 360 और उत्तर, 21.07.2026 (संसद का आधिकारिक PDF; अनुलग्नक-I से IV)

स्रोत: लोक सभा अतारांकित प्रश्न 360 का आधिकारिक पाठ और अनुलग्नक-I से IV पूरे पढ़े गए। SHC पोर्टल और योजना के दिशा-निर्देश नहीं पढ़े गए।

याद रखें: लोक सभा उत्तर के अनुसार 2014-15 से 26.09 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी हुए और 8,313 प्रयोगशालाएँ स्थापित हैं (6,197 मिनी), पर अनुलग्नक-I की पंक्तियों का योग छपे कुल से कार्डों में 7,66,893 अधिक है (हमारी गणना), अनुलग्नक-III में एक प्रयोगशाला का अंतर है, और चालू प्रयोगशालाओं की संख्या उत्तर में नहीं है।